प्रथम सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – तृतीय : Paper Code 41543

प्रश्न पत्र – तृतीय	अर्धमागधी एवं प्राकृत कवि	75 अंक
इकाई एक	आचारांग सूत्र (प्रथम श्रुत स्कन्ध) प्रथम अध्ययन, सत्थपरिणा का अर्थ एवं समीक्षा	15 अंक
इकाई दो	आचारांग सूत्र द्वितीय अध्ययन लोकविजय का अर्थ एवं समीक्षा	15 अंक
इकाई तीन	णायाधम्मकहा – पांचवां थावच्चापुत्त अध्ययन एवं सातवॉ रोहिणी अध्ययन	15 अंक
इकाई चार	प्राकृत के प्रमुख कवि : महाकवि हाल, विमलसूरि, संघदासगणि, शिवार्य, आचार्य जिनदत्तसूरि, नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती, देवेन्द्रगणि	15 अंक
इकाई पांच	अर्द्धमागधी प्राकृत भाषा का सोदाहरण विवेचन, संज्ञा, सर्वनाम या क्रिया एवं कृदन्त के प्रमुख नियम एवं उदाहरण	15 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन
2. जैन साहित्य का वृहत् इतिहास भाग 1
3. आयारो – जैन विश्व भारती लाडनूं (राज.)
4. आगम युग का जैन दर्शन – पं. दलसुख मालवणिया
5. जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा – देवेन्द्र मुनि शास्त्री
6. मूलाचार का समीक्षात्मक अध्ययन – प्रो.फूलचन्द्र जैन प्रेमी
7. इन्ट्रोडक्शन टू अर्धमागधी – डॉ.घाटगे
8. प्राकृत भाषाओं का व्याकरण – डॉ.पिशेल
9. प्राकृत काव्य, सौरभ (1975) – डॉ.प्रेमसुमन जैन
10. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.नेमिचन्द शास्त्री
11. आचारांग सूत्र : मधुकर मुनि, ब्यावर
12. ज्ञाताधर्म कथा : यु. मधुकर मुनि, ब्यावर